RNI क्र. 50309/85 डाक पंजीयन क्र. म.प्र. / 261 / भोपाल / 2009-11

पशु मेला

केदारनाथ सिंह

कातिक शाम
ट्रक चले जा रहे हैं
ट्रकों में लदे हैं बैल।
बिकने को जा रहे हैं
ददरी मेले में।

दूर पंजाब से आ रहे हैं
लम्बे-गठे हुए
पुट्ठेदार बैल।
बिकेंगे मेले में घोड़ों के मोल।

कितना अद्भुत है
कि बैलों को
मेले की शाम ने
सुन्दर चमचमाते हुए घोड़ों में बदल दिया है।

धूल में डूबा हुआ
भागा जा रहा है ट्रक।
ट्रक को जल्दी है
मेले में पहुँचने की।
ट्रक में खड़े हैं बैल
थके हुए
ऊबे हुए
चुपचाप ताकते हुए।

दूर पंजाब से आ रहे हैं।
सिर्फ कभी-कभी
ट्रक के हिलने से
बज उठती है बैलों के
गले की घण्टी।
फिर एक बैल
चौंककर
देखता है दूसरे को
मानो पूछता हो –
भैया, मेला अभी कितनी दूर है।

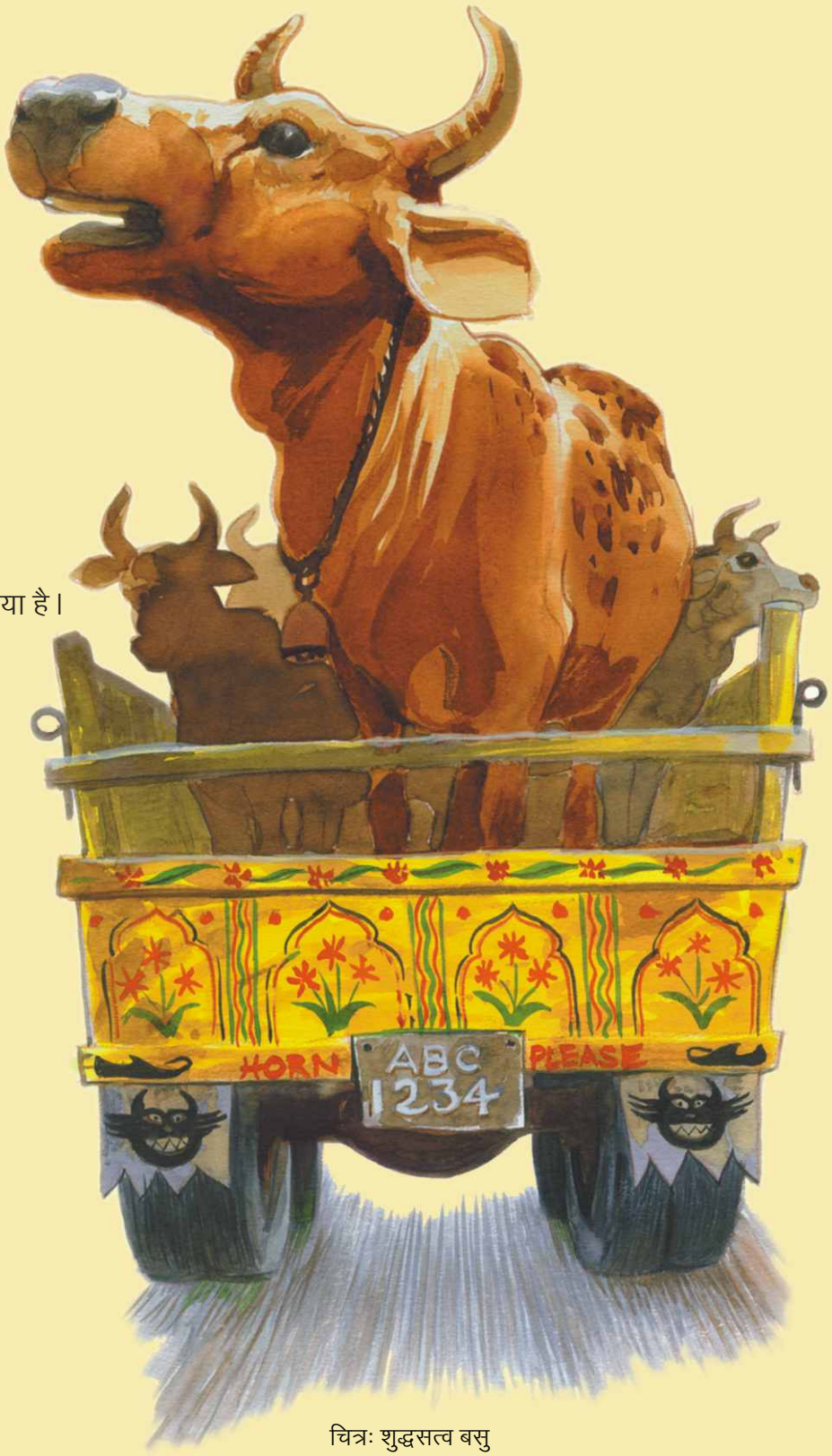

चित्रः शुद्धसत्व बसु

प्रकाशक एवं मुद्रक सी. एन. सुब्रह्मण्यम द्वारा स्वामी रैक्स डी रोज़ारियो के लिए एकलव्य, ई-10, शंकर नगर, 61/2 बस स्टॉप के पास, भोपाल 462016, म.प्र. से प्रकाशित एवं आर. के. सिक्युप्रिन्ट प्रा. लि. प्लॉट नम्बर 15-बी, गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल - 462021 (फोनः 0755 - 2687589) से मुद्रित।
सम्पादकः सुशील शुक्ल